AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : बचे पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं सितंबर में

विश्वविद्यालय ने जारी किया कार्यक्रम, परीक्षा के दौरान छात्रों को छात्रावास में रहने की भी दी अनुमति

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने यहां की अंतिम वर्ष के परीक्षा के लिए बचे हुए पाठ्यक्रमों का कार्यक्रम शुक्रवार को जारी कर दिया। इन सभी की परीक्षा सितंबर माह में ही होनी है।

एलएलबी श्री ईयर अंतिम वर्ष की परीक्षा 19 से 25 सितंबर, बीए ऑनर्स की परीक्षा सात से 13 सितंबर, एलएलबी ऑनर्स की परीक्षा 19 से 25 सितंबर, शास्त्री की परीक्षा 7 से 12 सितंबर, बीबीए की परीक्षा 7 से 13 सितंबर, बीसीए की परीक्षा 19 से 22 सितंबर और बीकॉम ऑनर्स अंतिम वर्ष की परीक्षा 19 से 24 सितंबर के बीच होनी है। शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार अंतिम वर्ष को छोड़कर अन्य विद्यार्थियों को प्रमोट किया जाएगा। अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षा होनी है। इसको लेकर लविवि ने अपना परीक्षा कार्यक्रम जारी किया है। परीक्षा 7 सितंबर से होनी है। इस बार लविवि ने बहुविकल्पीय सवाल आधारित परीक्षा प्रणाली पर पेपर आयोजित करने का फैसला किया है। इसके लिए मॉडल प्रारूप भी जारी किया गया है। अब लविवि ने बचे हुए पाठ्यक्रम का कार्यक्रम जारी किया है। विवि प्रशासन ने परीक्षा के दौरान पहले से आवंटित छात्रावास में छात्रों को रहने की अनुमति दे दी है। छात्रावास एक सितंबर से खुलेंगे और इसके लिए उन्हें पूर्व सूचना देनी होगी। लविवि छात्रों की संख्या के हिसाब से मेस आदि की व्यवस्था करेगा।

सीआईआई के सहयोग से स्मार्ट मैनेजर प्रोग्राम

लखनऊ। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज और कंफडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) की ओर से शुरू किए गए स्मार्ट मैनेजर प्रोग्राम कार्यक्रम में लविवि के विद्यार्थी भी दाखिला ले सकते हैं। विवि की काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने इसकी सूचना जारी कर दी है। सेल के सदस्य संजय मेधावी ने बताया कि कार्यक्रम में छात्र निशुल्क शामिल हो सकते हैं, लेकिन ऐसा करने पर विद्यार्थी को कोई प्रमाणपत्र नहीं मिलेगा। वहीं, दूसरी ओर दो हजार रुपये फीस के साथ पंजीकरण कराने पर प्रमाणपत्र भी मिलेगा। पाठ्यक्रम में सभी स्ट्रीम के विद्यार्थी दाखिला ले सकेंगे। अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए यह पाठ्यक्रम ज्यादा उपयोगी है। इस समय पाठ्यक्रम में पंजीकरण पर 80 फीसदी की छूट दी गई है। इसके बाद ही इसकी फीस दो हजार रुपये निर्धारित की गई है। निशुल्क दाखिला लेने के बाद प्रमाणपत्र मांगने पर विद्यार्थी को तीन हजार रुपये फीस का भुगतान करना होगा। इस संबंध में विस्तृत सूचना विवि की काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल से प्राप्त की जा सकती है।

NBT PAGE 10

एलयू में शुरू हुआ 'स्मार्ट मैनेजर' प्रोग्राम

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट में अंडर ग्रैजुएट स्टूडेंट्स के लिए स्मार्ट मैनेजर प्रोग्राम शुरू किया गया है। असोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन (सीआईआई) के सहयोग से शुरू हुए इस प्रोग्राम का उद्देश्य इंडस्ट्री के हिसाब से विद्यार्थियों में कौशल विकास करना है, जिससे वे रोजगार के लिए तैयार हो सकें। इस प्रोग्राम के लिए स्टूडेंट्स को कोर्स में 80% की छूट मिलेगी।

i-NEXT PAGE 4

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए बनी 16 सदस्यीय स्टीयरिंग कमेटी

LUCKNOW (14 Aug): उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के क्रियान्वयन के लिए 16 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है. यह कमेटी उच्च शिक्षा मे नए बदलाव करने के लिए अपने सुझाव देगी. अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं.

स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य

16 सदस्यीय स्टीयरिंग कमेटी में डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित, बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति डॉक्टर ए के मित्तल, गलगोटिया विश्वविद्यालय नोएडा की कुलपति प्रीति बजाज, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की डीन डॉ शशि देवी, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के वाणिज्य संकाय के डीन प्रो . एके तिवारी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के दीन स्कूल ऑफ लॉ प्रोफेसर एसके सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ की प्रो .वाई विमला, प्रो. हरे कृष्णन व प्रो . वीरपाल सिंह, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर की डीन डॉ अंशु यादव, बेनेट विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा के धनुषवीर सिंह, सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय लखनऊ की प्राचार्य डॉ अनुराधा तिवारी, भीमराव अंबेडकर राजकीय महिला कॉलेज फतेहपुर की प्राचार्य डॉ .अपर्णा मिश्रा, कुमारी मायावती राजकीय कॉलेज, बादलपुर नोएडा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा और निदेशक उच्च शिक्षा डॉ वंदना शर्मा शामिल है. निदेशक उच्च शिक्षा को स्टीयरिंग कमेटी का सदस्य सचिव बनाया गया है. फिलहाल यह कमेटी पाठ्यक्रम में बदलाव और नए कोर्स इत्यादि से संबंधित सुझाव देगी और उन्हें आगे लागू किया जाएगा.

यूजीसी की अनुमति के बाद शुरू होंगे ऑनलाइन कोर्स

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पहली बार शुरू हो रहे ऑनलाइन पाठ्यक्रम के लिए अभी कुछ दिन और इंतजार करना होगा। लविवि ने इनके संचालन के लिए यूजीसी को पत्र भेजा है। यूजीसी से अनुमति मिलते ही इनके आवेदन फॉर्म भी मांगे जाएंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस साल पहली बार ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालन की योजना तैयार की गई है। पांच ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर एकेडमिक काउंसिल की मुहर भी लग गई। इनके संचालन के लिए यूजीसी से अनुमति मांगी गई है।

लविवि ने इस साल अपने सभी डिप्लोमा पाठ्यक्रम रिवाइज किए हैं। डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स की संख्या अभी तक 40 से ज्यादा थी। पुनरीक्षण के बाद इनकी संख्या 31 रह गयी है। इनमें से पांच पाठ्यक्रम ऑनलाइन प्रणाली और संचालित होने हैं। मतलब एडमिशन से लेकर परीक्षा और पढ़ाई सभी कुछ ऑनलाइन होगा और इसके लिए विद्यार्थी को विवि नहीं आना होगा। पुनरीक्षण के बाद सामान्य पाठ्यक्रम के आवेदन मांगे जा चुके हैं जबकि ऑनलाइन पाठ्यक्रम के आवेदन फॉर्म जारी होने का इंतजार किया जा रहा है। लविवि प्रशासन ने साफ किया है कि इनके आवेदन फॉर्म भी इसी सत्र से मांगे जा सकते हैं बशर्ते कि यूजीसी से इनके संचालन की अनुमति मिल जाये। असल मे यूजीसी के नियमों के अनुसार सिर्फ नैक में ए प्लस ग्रेड वाले संस्थानों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालन की अनुमति अपने आप होती है। बाकी संस्थाओं को इसके लिए अनुमति मांगनी होती है। इसको देखते हुए लविवि ने इन पाठ्यक्रम के संचालन के लिए यूजीसी को पत्र लिख दिया है।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विवि ने ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालन की सभी अनिवार्यता पूरी कर ली हैं। इनके संचालन के लिए यूजीसी की अनुमति जरूरी है। इसलिए अनुमति के लिए पत्र लिखा जा चुका है। अनुमति मिलते ही इसी सत्र से इनके आवेदन मांगे जा सकते हैं।

लविवि में शुरू होंगे ये ऑनलाइन पाठ्यक्रम

ऑनलाइन सर्टिफिकेट ऑफ इंडियन टूरिज्म एंड ट्रेवल (60), ऑनलाइन सर्टिफिकेट ऑफ इंडियन टूरिज्म डेस्टिनेशन (60), ऑनलाइन सर्टिफिकेट ऑफ ग्लोबल टूरिज्म एंड डेस्टिनेशन (60), ऑनलाइन सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन गर्भ संस्कार (50), ऑनलाइन पीजी डिप्लोमा इन वाइल्ड लाइफ जर्नलिज्म (30)

DAINIK JAGRAN PAGE 9 & 14

स्टीयरिंग कमेटी गठित

राब्यू, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के क्रियान्वयन के लिए 16 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी उच्च शिक्षा मे नए बदलाव करने के लिए अपने सुझाव देगी। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं।

16 सदस्यीय स्टीयरिंग कमेटी में डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित, बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति डॉ. एके मित्तल, गलगोटिया विश्वविद्यालय नोएडा की कुलपति प्रीति बजाज, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की डीन डॉ शशि देवी, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के वाणिज्य संकाय के डीन प्रो . एके तिवारी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के दीन स्कूल ऑफ लॉ प्रोफेसर एसके सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन आदि शामिल है।

प्रो. मनोज बने विभागाध्यक्ष

लखनऊ : लविवि के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो . मनोज अग्रवाल को शुक्रवार को नया विभागाध्यक्ष बनाया गया। उन्हें तीन प्रशासनिक पद सौंपे गए हैं। (जासं)

THE PIONEER PAGE 5

AIU, CII introduce Smart Manager programme

Lucknow (PNS): Association of Indian Universities (AIU), in collaboration with Confederation of Indian Industry (CII), has started AIU-CII Smart Manager programme for graduates of all disciplines. The programme aims to empower students with high-quality practical and ready-to-use management competencies sought by corporates while making hiring decisions. Head of the department of Business Administration Sanjay Medhavi said that CII, in association with AIU, had offered 80% discount on the Smart Manager programme to the students of Lucknow University.

"The final-year students may like to enrol for AIU-CII Smart Manager programme for improving their soft skills through the web-link. They need to fill up the Google form available in order to avail 80% discount," he said.

There are two options for the students interested to enrol with discount. Students can take the programme free of charge, but no certificate will be given on completion of the programme.

HINDUSTAN PAGE 7

लविविः वर्चुअल लैब की मदद से पढ़ेंगे छात्र

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई में विश्वविद्यालय की साइबर लाइब्रेरी व वर्चुअल लैब का सहारा ले सकेंगे। आधुनिक उपकरणों के सहयोग से छात्रों को बेहतर तरीके से पढ़ाया जा सकेगा। हाल ही में शिक्षकों ने प्रशासन से ऑनलाइन पढ़ाई के लिए साधन मुहैया कराने की मांग की थी।

लविवि के पुराने परिसर के ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर स्थित वर्चुअल लैब का इस्तेमाल काफी लम्बे अर्से से नहीं किया जा रहा है। यहां लगे आधुनिक कम्प्यूटर व उपकरण धूल खा रहे हैं। इस लैब के बेहतर प्रयोग के लिए शिक्षकों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की थी।

विवि प्रशासन ने निर्णय लिया है कि अब वर्चुअल लैब का इस्तेमाल छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई के लिए किया जाएगा। इसके अलावा अब शिक्षकों के ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए लैब का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

साइबर लाइब्रेरी बनेगी मददगार

लविवि प्रशासन ने शिक्षकों को सुझाव दिया है कि जिन शिक्षकों को घर से ऑनलाइन कक्षाएं लेने में परेशानी आ रही हो वे पुराने परिसर स्थित साइबर लाइब्रेरी की मदद ले सकते हैं। साइबर लाइब्रेरी में करीब 500 कम्प्यूटर लगे हैं व ज्यादातर में कैमरा भी है। इनसे ऑनलाइन क्लास लेने में शिक्षकों को आसानी होगी। कुलपति प्रो. आलोक राय भी चाहते हैं कि इनका इस्तेमाल छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई में किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि जरूरत होगी तो कैमरा समेत कम्प्यूटर की संख्या बढ़ा दी जाएगी।

एलयूः कई विषयों का परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी तृतीय वर्ष छठे सेमेस्टर, बीए तृतीय वर्ष ऑनर्स समेत कई विषयों का परीक्षा कार्यक्रम शुक्रवार को जारी कर दिया है। प्रशासन के अनुसार एलएलबी ऑनर्स दसवें सेमेस्टर के समेत बीबीए और एमबीए छठे सेमेस्टर, बीसीए छठे सेमेस्टर और बीकॉम ऑनर्स छठे सेमेस्ट का परीक्षा कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया है। छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं।